



MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY

AJMER

**MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY  
AJMER**

**NOTICE**

Copies of the "Syllabus and Courses of Study" prescribed for the Faculties of Arts, Fine Arts, Social Science, Science, Commerce, Law, Education, Management Studies etc.

Commencing from July,  
Can be obtained from our authorised Agent.

On payment of the price printed  
on each Syllabus, Postage will be  
extra for copies desired by post.

Registrar

**ALKA PUBLICATIONS**

Purani Mandi, Ajmer

Ph. : 0145-2426301

**SYLLABUS**

**SCHEME OF EXAMINATION AND  
COURSES OF STUDY**

**FACULTY OF ARTS & SOCIAL SCIENCE**

**M.A. RAJASTHANI**

(एम. ए. राजस्थानी)

**M.A Previous Examination**

(w.e.f. 2015-16)

**M.A Final Examination**

(w.e.f. 2016-17)

**संस्करण**

**2015**

**मूल्य : 10/-**



**महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर**

**NOTICE**

1. Change in Statutes/Ordinances/Rules/Regulations Syllabus and Books may, from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any change that applies to years he has not completed at the time of change.  
**The decision taken by the Academic Council shall be final.**

**सूचना**

1. समय-समय पर संशोधन या पुनःनिर्माण कर परिनियमों/अध्यादेशों/नियमों/विनियमों/पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है, तथा किसी भी परिवर्तन को छात्र को मानना होगा बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से उनको छूट न दी हो और छात्र ने उस परिवर्तन के पूर्व वर्ष पाठ्यक्रम को पूरा न किया हो। विद्या परिषद द्वारा लिये गये निर्णय अर्तिम होंगे।

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होंगे जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे। सभी प्रश्न पत्र 100 अंकों के होंगे। प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घण्टे होगी।  
**नोट :** समस्त प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगा।

सत्र-2015-16

प्रथम प्रश्न पत्र	आधुनिक राजस्थानी काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	आधुनिक राजस्थानी गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्न पत्र	राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

सत्र-2016-17

एम.ए. उत्तरार्द्ध	मध्यकालीन एवं प्राचीन काव्य
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन
तृतीय प्रश्न पत्र	विशिष्ट साहित्यकार (कोई एक विकल्प)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	(1) ईररदास (2) महाराजा चतुरसिंह (3) जनकवि गणेशलाल व्यास - 'उस्ताद'
पंचम प्रश्न पत्र	निबंध

प्रथम प्रश्न-पत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र	आधुनिक राजस्थानी काव्य	पूर्णक : 100
समय : 3 घंटे	अध्ययन क्षेत्र 1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन 2. आधुनिक काल की महत्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन 3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन	

पाठ्यपुस्तकों

1. वीर सतसई	: सूर्यमल्ल भीसण	2. बादली : चन्द्रसिंह
3. राधा	: सत्यप्रकाश जोशी	4. लीलांस : कहैयालाल सेठिया
अंक योजना	व्याख्या - चारों पाठ्य पुस्तकों में से	$9 \times 4 = 36$ अंक
आलोचनात्मक प्रश्न	चारों पाठ्य पुस्तकों में से	$16 \times 4 = 64$ अंक
प्रथम इकाई चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक - एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे)		36 अंक
द्वितीय इकाई वीर सतसई : सूर्यमल्ल भीसण : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)		16 अंक
तृतीय इकाई बादली : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)		16 अंक
चतुर्थ इकाई राधा : सत्यप्रकाश जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)		16 अंक
पंचम इकाई लीलांस : कहैयालाल सेठिया : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)		16 अंक

पाठ्यपुस्तकों

1. वीर सतसई	: सूर्यमल्ल मिश्रण, (सं.) पतराम गौड, ईश्वरदान आशिया, कहैयालाल सहल
2. बादली	: प्रकाशक : बंगल हिन्दी मण्डल, कलकत्ता
3. राधा	: चन्द्रसिंह, चांद जल्दी प्रकाशन, जयपुर।
4. लीलांस	: सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

- परम्परा : सूर्यमल्ल भीसण विशेषांक, 'हेमाणी' अंक तथा 'आधुनिक राजस्थानी कविता' अंक प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
- वीर सतसई : डॉ. शम्भूसिंह मनोहर, स्टूडेंट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
- वीर सतसई : (सं.) नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
- राजस्थानी कविता : एक विश्लेषण : डॉ. श्याम शर्मा : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्वोत और प्रवृत्तियां : डॉ किरण नाहटा।  
6. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा : 'जागती जोत' अंक

प्रकाशक : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।

#### द्वितीय प्रश्न-पत्र

#### आधुनिक राजस्थानी गद्य

समय : 3 घंटे

अध्ययन क्षेत्र 1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन 2. आधुनिक काल की महत्वपूर्ण रचनाओं का अध्ययन 3. आधुनिक गद्य विद्याओं में निबंध एवं कथा साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

#### पाठ्य पुस्तक

1. ओर्कू री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी 2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह  
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत 4. माझल रात : लक्ष्मीकुमारी छुड़ावत  
अंक योजना व्याख्या -  $9 \times 4 = 36$  अंक आलोचनात्मक प्रश्न  $16 \times 4 = 64$  अंक

प्रथम इकाई धारों पुस्तकों में से एक—एक सप्तसंबंधी व्याख्या धूठी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 36 अंक

द्वितीय इकाई ओर्कू री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

तृतीय इकाई राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

चतुर्थ इकाई आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक (केवल चयनिक कहाणियाँ)

पंचम इकाई माझल रात : लक्ष्मीकुमारी छुड़ावत : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पाठ्यपुस्तक

- ओर्कू री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी : राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
- राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह : राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
- आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (निर्धारित कहाणियाँ : मास्टरजी : करणीवान बाहरहठ, गीता री बाबकियो : विश्वेन कल्पनाकान्त, मारत भाग्य विद्याता : नृसिंह राजपुराहिल, च्छानो : प्रेमजी प्रेम, करड़ी आंच : मनोहर शर्मा, बरसगांठ : मुख्लीधर व्यास, संजीवन : रामेश्वरदयाल श्रीमाली, अलेखू छिट्ठल : विजयदान देवा, अमर मिनख : श्रीलाल नथमल जोशी, सुकड़ीजाता आगणा : सावर दइया)
- माझल रात : लक्ष्मीकुमारी छुड़ावत : राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

#### अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

- आधुनिक राजस्थानी गद्य : परम्परा अंक
- प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
- आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास : डॉ. रामस्वरूप व्यास, प्रकाशक : प्रवीण प्रकाशन, जोधपुर।
- आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्वोत और प्रवृत्तियाँ : डॉ. किरण नाहटा।

#### तृतीय प्रश्न-पत्र

#### राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

#### अध्ययन क्षेत्र

1. भाषा एवं लिपि के विकास की परंपरा और सामान्य सिद्धान्त 2. राजस्थानी भाषा के उद्भव और विकास परंपरा का विशिष्ट अध्ययन 3. राजस्थानी लिपि — मुद्रिया लिपि की जानकारी 4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा — धाराओं के अनुसार इकाई योजना

प्रथम इकाई भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा के अंग, भाषा विकास के कारण भाषा के विविध रूप — ग्राम्य बोली, बोली, उपबोली, विमाषी, मानक भाषा, भाषा की विशेषताएं (प्रवृत्तियाँ), भाषा की उत्पत्ति — प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय

लिपि — भाषा — लिपि का संबंध, नागरी लिपि — (उर्ण एवं अंक का विकास) नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मुद्रिया लिपि : परिचय। 20 अंक

द्वितीय इकाई वैदिकी, प्राकृत, अप्रांशु का सामान्य परिचय एवं राजस्थानी के विकास में उनका योगदान, राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास, बोली बोल, प्रमुख शैलियाँ और — उनका पारस्परिक अंतर, डिंगल और पिंगल — भाषा अथवा बैली, राजस्थानी भाषा की विशेषताएं — सामान्य एवं व्याकरणिक 20 अंक

आदिकाल : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार, कालगत विशेषताएं (प्रवृत्तियाँ) 20 अंक

चतुर्थ इकाई मध्यकाल : (पूर्ण मध्यकाल — उत्तर मध्यकाल) प्रमुख काव्य धाराएं, रचनाएं एवं रचनाकार

कालगत प्रवृत्तियाँ सामुद्र एवं निर्गुण भवित्व एवं तत्संबंधी सम्प्रदाय। 20 अंक

पंचम इकाई आधुनिक राजस्थानी — गद्य एवं पद्य साहित्य की प्रमुख विधाएं, नवीन चिंतन के घटक, प्रमुख काव्य — धाराएं, प्रवृत्तियाँ, रचनाएं एवं रचनाकार। 20 अंक

#### अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

भोलानाथ तिवारी : किताब महल, दिल्ली

डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर

एल.पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह

जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आन्तराम जाजोदिया

प्रकाशक : राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

डॉ. मोतीलाल मेनारिया

नरोत्तम दास रवामी

(सं.) सीताराम लालस प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

डॉ. गोवर्द्धन शर्मा

आचार्य शमशन्द शुक्ल

गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

नरोत्तमदास रवामी

रामकरण आसोपा

(सं.) सीताराम लालस, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।

प्रो. रामाश्रय मिश्र एवं नरेश मिश्र

प्रकाशक : उन्नेष प्रकाशन, 12 सुमाष कॉलोनी, करनाल

डॉ. अनन्त चौधरी : बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक राजस्थानी गद्य एवं पद्य के अंक

प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

पूर्णांक : 100

#### चतुर्थ प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे

#### अध्ययन क्षेत्र

1. लोक साहित्य के सन्दर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं

2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधियों के अनुसार वर्गीकरण

3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण के आधार

4. राजस्थानी लोक कथा, लोकगीत, एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन

5. राजस्थानी लोक देवी — देवताओं का परिचय

6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संतों—सम्प्रदायों का परिचय

#### अंक योजना

$20 \times 5 = 100$  अंक

प्रथम इकाई लोक साहित्य : लोक एवं लोक मानस : परिचय, परिभाषा, लोकतत्त्व —

एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

द्वितीय इकाई लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण — लोक साहित्य एवं अभिजात्य साहित्य, लोक साहित्य का द्वेषी विस्तार, लोक साहित्य का वर्गीकरण एवं उनके आधार —

एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**तृतीय इकाई** लोक कथा, लोक गीत, लोक गाथा, - एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक  
**चतुर्थ इकाई** राजस्थानी लोक देवी-देवता - एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक  
**पंचम इकाई** राजस्थानी संत एवं सन्त - सम्प्रदायों का परिचय - एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

#### अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन  
 राजस्थानी लोक नाट्य परंपरा एवं प्रवृत्तियां  
 लोक साहित्य विज्ञान  
 लोक साहित्य की भूमिका  
 भारतीय लोक वाङ्मय  
 लोक धर्म  
 लोक साहित्य (व्याख्यान)  
 राजस्थानी लोक साहित्य  
 तेजाजी  
 तेजाजी  
 मध्यकालीन भारतीय संस्कृति  
 नाथ सम्प्रदाय  
 राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति

: डॉ. सौहनदान चारण  
 : डॉ. मनेन्द्र भानवत  
 : डॉ. सत्येन्द्र  
 : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय  
 : डॉ. श्याम परमार  
 : वासुदेवशरण अग्रवाल  
 : अवेरचन्द्र मेधाणी  
 : नानूराम संस्कर्ता  
 : डॉ. कर्णेयलाल सहल  
 : डॉ. मनेन्द्र भानवत  
 : गौरीशंकर हीराचन्द्र ओझा  
 : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी  
 : डॉ. नन्दलाल कल्ला,  
 प्रकाशक : राजस्थानी ग्रन्थागार जोधपुर।

#### प्रथम प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे

#### अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन 2. भवित परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन 3. प्राचीन रचनाओं एवं दीर्घ रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन

#### पाठ्यपुस्तक

1. रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास 2. वेलि किसण रुक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़  
 3. हाला झाला रा कुण्डलिया : ईसरदास 4: मीरौं वृहद् पदावली - भाग : प्रथम  
 अंक योजना व्याख्या  $9 \times 4 = 36$  अंक      आलोचनात्मक प्रश्न  $16 \times 4 = 64$  अंक

प्रथम इकाई चारों पुस्तकों में से एक - एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा (प्रत्येक व्याख्या हेतु 8 अंक निर्धारित होंगे)  $9 \times 4 = 36$  अंक

**तृतीय इकाई** रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक  
**तृतीय इकाई** वेलि किसण रुक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़ (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**चतुर्थ इकाई** हाला झाला रा कुण्डलिया : ईसरदास (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पंचम इकाई** मीरौं वृहद् पदावली : भाग प्रथम (प्रश्न 101 पद) (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

#### पाठ्यपुस्तक

1. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचंद्र प्राणेश, भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।  
 2. वेलि किसण रुक्मणी री : (सं.) नरोत्तमदास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।  
 3. हाला झाला रा कुण्डलिया : (सं.) डॉ. योगीलाल नेतारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।  
 4. मीरौं वृहद् पदावली - भाग प्रथम : (सं.) पुरोहित हरिनारायण, प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।

#### अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. प्राचीन काव्य रूपों की परंपरा : अगरचन्द्र नाहटा, भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।

2. वेलि किसण रुक्मणी री : डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित

मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्दा

पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे

#### अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्दा परंपरा का अध्ययन 2. वचनिका परंपरा का अध्ययन  
 3. राजस्थानी वात परंपरा का अध्ययन 4. राजस्थानी वात परंपरा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन

#### पाठ्यपुस्तक

अचलदास खीरी री वचनिका शिवदास गाडण : (सं.) भूपतिराम साकरिया  
 राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग-1 : (सं.) नरोत्तम दास स्वामी

कुवंसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा  
 मारवाड़ रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभाग्यसिंह शेखावत

अंक योजना व्याख्या 36 अंक आलोचनात्मक प्रश्न 64 अंक  
 प्रश्न इकाई चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 8 अंक निर्धारित होंगे)  $9 \times 4 = 36$  अंक

**तृतीय इकाई** अचलदास खीरी री वचनिका : शिवदास गाडण (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक  
**तृतीय इकाई** राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग - 1 - (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**चतुर्थ इकाई** कुवंसी सांखलो-(आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक  
**पंचम इकाई** मारवाड़ रा उमरावां री वारता -(आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

#### पाठ्यपुस्तक

1. अचलदास खीरी री वचनिका : (सं.) भूपति राम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।  
 2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग-1 : (सं.) नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जयपुर।

3. कुवंसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।  
 4. मारवाड़ रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभाग्यसिंह शेखावत, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

#### तृतीय प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे

#### अध्ययन क्षेत्र

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन 2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन 3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन 4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन

#### पाठ्यक्रम विषय सामग्री

**इकाई 1** : साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन।

**इकाई 2** : रस सिद्धान्त : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण अलंकार सम्प्रदाय, ब्रकोकि सिद्धान्त (स्वरूप और भेद) ध्वनि सिद्धान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

**इकाई 3** : अरस्तू के काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेण्य सिद्धान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), क्रोंच का अस्थियांजनावाद, आई. ए. रिवर्ड्स का काव्य सिद्धान्त (मूल्य सिद्धान्त)

**इकाई 4** : राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य-दोष

**इकाई 5** : पाठालोचन की परिचय, स्वरूप और सिद्धान्त  
 अंक योजना (इस प्रश्न पत्र में काव्य शास्त्र के लिए 80 अंक तथा पाठालोचन के लिए 20 अंक निर्धारित है।)

प्रथम इकाई साहित्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक  
**तृतीय इकाई** भारतीय काव्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**तृतीय इकाई** पाश्चात्य काव्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक  
**चतुर्थ इकाई** राजस्थानी काव्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

पंचम इकाई पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया – (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

रस भीमासाम्	:	रामचन्द्र शुक्ल
भारतीय साहित्यशास्त्र	:	बलदेव सपाध्याय
पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया	:	डॉ. मिथिलेश कांत तथा विमलेश कांति
समीक्षा सिद्धान्त	:	डॉ. राम प्रकाश
भारतीय पाठालोचन की भूमिका	:	डॉ. एस. एस. कत्रे
रघुवर जस प्रकाश	:	कित्तना आदा,
रघुनाथ रूपक	:	प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (सं.) महताब चौद खारेड़,
		प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

विशिष्ट साहित्याई

पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबंध में तीन साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है जिनमें तीन साहित्यकारों का निर्धारण किया गया है। विद्यार्थी इन तीनों में से एक साहित्यकार का चयन कर अध्ययन करेंगे—

1. ईसरदास
2. महाराजा चतुरसिंह
3. जनकवि गणेशलाल व्यास "उस्ताद"

पाठ्यपुस्तक

प्रत्येक साहित्यकार के लिए निम्न पाठ्यपुस्तक का निर्धारण किया गया है जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा।

1. हरिरस : ईसरदास (कुल 50 पद) (पद सं. 1 से 50 तक) : द्वितीय संस्करण, (सं.) आचार्य बद्रीप्रसाद साकरिया, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. चतुर चिंतामणी : महाराजा चतुरसिंह (सम्पूर्ण) : महाराजा मेवाड़ फाउण्डेशन ट्रस्ट, उदयपुर
3. जनकवि उस्ताद : सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली, प्रकाशक : राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

अंक योजना व्याख्या – 36 अंक आलोचनात्मक प्रश्न – 64 अंक

निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से चयनित साहित्यकार के अनुसार –

- प्रथम इकाई : व्याख्या—कुल चार : (आन्तरिक विकल्प सहित)  
(निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर) 36 अंक
- द्वितीय इकाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक
- तृतीय इकाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक
- चतुर्थ इकाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक
- पंचम इकाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. हमारा उस्ताद : विजयदान देश
2. महाराजा चतुरसिंह : संग्रामसिंह राणवत
3. ईसरदास बारहठ : (मोनोग्राफ), प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

पंचम प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

निर्बन्ध

- निर्देश (1) – इस प्रश्न पत्र में दस विषयों (विकल्पों) में से किसी एक साहित्यिक विषय पर निर्बन्ध लिखना होगा।
- निर्देश (2) – यह निर्बन्ध राजस्थानी भाषा में अनिवार्य रूप से लिखना होगा।

